



कार्यालय : वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, हजारीबाग

वन भवन - 1, हजारीबाग 825301 (झारखण्ड)

Ph. & Fax (O) - 06546-222393, Cell No. : 8987790202 E-mail: cf.hazaribagh@gmail.com, cfhaz@jharkhandmail.gov.in

पत्रांक 13E-05-11/2016

दिनांक :-

सेवा में,

क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक,
हजारीबाग।

विषय :- मेसर्स रामचन्द्र मेहता, कैप्टन आनन्द, अपर्णा देवी द्वारा हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल अंतर्गत करमा स्टोन माईनिंग प्रोजेक्ट हेतु कुल 14.17 हे० मात्र अधिसूचित वनभूमि अपयोजन के प्रस्ताव के संबंध में।

प्रसंग:- प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-कार्यकारी निदेशक, बंजर भूमि विकास बोर्ड, झारखण्ड, रांची के पत्रांक 1218 दिनांक 28.12.2017

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र के संबंध में वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल ने अपने पत्रांक 946 दिनांक 07.03.2018 द्वारा विषयगत परियोजना में प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-कार्यकारी निदेशक, बंजर भूमि विकास बोर्ड, झारखण्ड, रांची के पत्रांक 1218 दिनांक 28.07.2017 द्वारा की गई पृच्छा का अनुपालन प्रतिवेदन प्रयोक्ता संस्थान से प्राप्त कर सात प्रतियों में इस कार्यालय में समर्पित किया गया है, जो निम्नवत है:-

क्र.स.	पृच्छा	अनुपालन
(1)	वन विभागीय पत्रांक 3105 दिनांक 27.07.2017 द्वारा पृष्ठित बिन्दु संख्या "ख" को स्पष्ट किया जाय कि प्रस्तावित वन भूमि में Safety Zone की Water body के आस-पास तथा अन्य स्थानों पर कुल चौड़ाई वास्तव में कितनी है।	Width of Safety zone near water body has kept 15 meter and rest on other places along the Mining lease boundary has kept 7.5 meter. Copy of Safety Zone Plan showing the Width of Safety Zone is enclosed herewith as Annexure-I.
(2)	Mining Plan के पेज 34 पर Excavated Area मात्र 330 मीटर दिया गया है, जबकि मूल प्रस्ताव के कंडिका-2 में Mining (Ultimate Pit) 12.14 ha. बताया गया है। इस विरोधाभास को स्पष्ट किया जाय।	Refer to the cross section along A-A; & B-B' of approved Progressive Mine closure plan of Karma Stone Mine (enclosed as Annexure-II) where it indicates that the top Contour/Surface Level of the existing ground is 390 meter in terms of reduce level with respect to Mean Sea Level Mining shall be done up to a depth of 60 meter from top Contour/Surface Level of 390 meter over a period of 10 years. After end of life of mine. quarry floor level of excavated area would be 330 meter.
(3)	यदि यह मान भी लिया जाय कि सम्पूर्ण 12.14 हे० में खनन कार्य किया जायेगा तो जिस प्रकार 2017-18 से 2027-28 (10 वर्षों) में 6.25 मिलियन क्यूबिक मीटर स्टोन के	Mining to excavate the 6.25 million of Cu Mt of stone from the proposed Karma Stone Mine will be done by open cast mining method followed by formation of Benches of 3 meter width & 3 meter height at an ultimate Pit Slope of 45". Hence, Vertical Mine Pit will never be formed. So far the Reclamation over the excavated area followed

8

	<p>उत्पादन का Schedule दिया गया है। उससे लगभग 50 मीटर गहरा vertical गढ़ा पूरे क्षेत्र में वन जायगा। इतने गहरे गढ़े को Reclaime किया जाना किस प्रकार संभव हो पायगा, ताकि Top Soil के साथ वृक्षारोपण हो सके, इसकी विवरणी दी जाय।</p>	<p>by spreading of top soil and Afforestation is concern; Reclamation & Afforestation will be commenced on 2028-29 and continued till to 2031-32 for the period of 4 years after fully exhausts of mineral form the said mine. Method of reclamation & afforestation and its financial outlay over the excavated area is given in the enclosed Reclamation & Afforestation Scheme with its plan as Annexure III which is self explanatory for the manner of reclamation.</p> <p>Moreover, it is to inform you that, as per rule 23 C Mineral Conservation & Development Rules 1988 (Copy Enclosed as Annexure IV), a final Mine Closure Plan has to be approved from Govt. of Jharkhand prior to one year of the closure of the mine which is only for Reclamation & Afforestation.</p> <p>Therefore, Rehabilitation of excavated quarry area after end of life of mine shall be done by us.</p>
(4)	<p>प्रयोक्ता अभिकरण ने एक जगह उल्लेख किया है कि Top Soil का प्रयोग Road Maintainance हेतु किया जायगा जबकि दूसरे जगह उल्लेख किया कि Top Soil को वृक्षारोपण के लिए गढ़ा भरा जायगा। कृपया इसे स्पष्ट किया जाय।</p>	<p>Applied area of Karma Stone Mine is virgin and exists on fully exposure of stone where generation of top soil during mining would be very negligible quantity. When Mining operation over the said area will start. the excavated top soil shall be spread over road. During reclamation of excavated quarry, top soil shall be producer from nearby area in order to spread over the filled area and sapling shall be planted.</p>
(5)	<p>माईनिंग प्लान के पेज 54 टेबुल-31 में खनन की औसत गहराई 60 मी० दी गयी है जबकि पेज 42 पर भू-जल स्तर (Water Table) अधिकतम 65 मी० दी गई है। इस स्थिति में इतनी गहराई तक कहाँ तक उचित होगा। स्पष्ट किया जाय।</p>	<p>Refer to the same cross section along A-A: & B-B' of approved Progressive Mine closure plan of Karma Stone Mine (enclosed as Annexure II) where it indicates that the top Contour/Surface Level of the existing ground is 390 meter in terms of reduce level with respect to Mean Sea Level. Ground water table of the proposed Karma Stone mine is 65 meter depth from the existing surface level i.e. top Contour/Surface Level of 390 meter in terms of reduce level with respect to Mean Sea Level. Therefore, Water table is present at a depth of 325 meter reduce level.</p> <p>Quarry floor level of excavated area will reach at 330 meter reduce level at the end of the life of mine where as Water table is available at a depth of 325 meter reduce level.</p>
(6)	<p>प्रस्तावित स्थान के आस-पास अवैध माईनिंग प्रतिवेदित है। इस हेतु वन प्रमंडल पदाधिकारी द्वारा क्या कार्रवाई की जाती रही है।</p>	<p>चौपारण वन प्रक्षेत्र के मौजा करमा थाना चौपारण थाना संख्या 289 के प्लॉट संख्या 771 (जो विषयगत प्रस्ताव हेतु प्रस्तावित है) 767, 766, 768 एवं 769 में जिला खनन पदाधिकारी द्वारा निर्गत खनन पट्टा को रद्द करने हेतु वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल के पत्रांक 2182 दिनांक 07.7.2014, 1454 दिनांक 11.</p>

	<p>03.2016, 3064 दिनांक 04.06.2016 एवं 1748 दिनांक 30.03.2016 द्वारा जिला खनन पदाधिकारी, हजारीबाग को पत्र लिखा गया है तथा प्रति उपायुक्त, हजारीबाग को भी दी गई है, किन्तु निर्गत खनन पट्टा रद्द होने की सूचना प्रमंडलीय कार्यालय को अब तक अप्राप्त है, भेजे गये पत्रों की छाया प्रति अनुलग्नक VI के रूप में संलग्न है।</p> <p>चौपारण प्रक्षेत्र के मौजा करमा वन में अवैध पत्थर खनन के मामले में भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33 के तहत वन वाद संख्या 108/2016, 109/2016, 388/2016 एवं 609/2016 दर्ज किया गया है। उक्त अवैध खनन का अंतिम अपराध प्रतिवेदन (अभियोजन) न्यायालय में विचाराधीन है।</p> <p>इस संबंध में मुख्यमंत्री जन संवाद केन्द्र, झारखण्ड सरकार से ऑन लाईन परिवाद पत्र भी दायर किया गया है जिसका Grivance No. 2016-21772 है। परिवाद पत्र द्वारा यह पूछा गया है कि मौजा करमा प्लॉट संख्या 771, 772 एवं अन्य में लोग द्वारा कब्जा कर अवैध तरीके से उत्खनन कर पत्थर बेचा जा रहा है। उक्त मामले से संबंधित प्रतिवेदन वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल के पत्रांक 5865 दिनांक 22.10.2016 द्वारा प्रधान सचिव, वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड सरकार रांची को प्रतिवेदित किया गया है, भेजे गये प्रतिवेदन की छाया प्रति अनुलग्नक VII के रूप में संलग्न है।</p>
--	---

इसी प्रसंग में कहना है कि प्रधान मुख्य वन संरक्षक-सह-कार्यकारी निदेशक, बंजर भूमि विकास बोर्ड, झारखण्ड, रांची के प्रसंगाधीन पत्रांक 1218 दिनांक 08.07.2018 द्वारा पूर्व में की गई पृच्छाओं का जवाब संतोषजनक नहीं रहने के कारण इस कार्यालय के पत्रांक 346 दिनांक 06.02.2018 (छायाप्रति संलग्न) में की गई पृच्छाओं का निराकरण प्रतिवेदन वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल के पत्रांक 1944 दिनांक 04.04.2018 के द्वारा प्राप्त हुआ है, जिसकी छायाप्रति भी संलग्न भेजी जा रही है।

अतएव वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल से प्राप्त निराकरण प्रतिवेदन की छः प्रति इस पत्र के साथ संलग्न कर अग्रेतर कार्रवाई हेतु भेजी जा रही है।

अनुलग्नक:- यथोक्त।

आपका विश्वासी

ह0/-

वन संरक्षक

प्रादेशिक अंचल, हजारीबाग

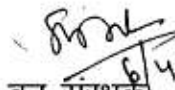
ज्ञापांक

954

दिनांक

07/04/18

प्रतिलिपि वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल को उनके पत्रांक 946 दिनांक 07.03.2018 एवं 1944 दिनांक 04.04.2018 के प्रसंग में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई प्रेषित।


वन संरक्षक

प्रादेशिक अंचल, हजारीबाग
